I. K. GUJRAL

Inder Kumar Gujral was the 12th Prime Minister of India, who led the nation during the period 1997-1998. He was born on 4th December 1919 in Jhelum of the undivided Punjab State of British India. He was well qualified and had done M.A., B.Com., Ph.D. and D.Litt. (Hons. Causa).

I. K. Gujral belongs to a family of freedom fighters. His parents, Avtar Narain Gujral and Pushpa Gujral, actively participated in the freedom struggle of the country in Punjab. At the age of eleven, Gujral himself jumped into the national movement. In 1942, he was jailed during the Quit India Movement.

The post-independence political career of I. K. Gujral started with a humble beginning as Vice-President of the New Delhi Municipal Committee, in the year 1958. He later entered mainstream politics by joining the Indian National Congress in the year 1964. He served as a Minister in various Ministries viz. Communications, Parliamentary Affairs, Information & Broadcasting, Works & Housing and Planning during the period 1967-1976. From 1976 to 1980 he was the Ambassador of India to U.S.S.R. in the rank of a Cabinet Minister to the Union.

In 1980s, he left Indian National Congress and joined Janata Dal and served as Union Minister for External Affairs during the years 1989-1990. He also served as Minister in the Ministry of External Affairs and Ministry of Water Resources in 1996.

In the year 1997, he emerged as the consensus candidate for Prime Ministership during the rule of the United Front Government. A set of five guiding principles with regard to conduct of India's foreign relations with its immediate neighbours which later came to be known as the Gujral Doctrine, was formulated by him during his stint as External Affairs Minister under the United Front Government. These were further fine tuned during his tenure as Prime Minister of India.

Apart from serving in various official capacities, he also worked for other important assignments such as Chairman, Indian Council of South Asian Co-Operation, President of the Institute of Defence Studies & Analysis (IDSA), Chairman of the official Committee for Promotion of Urdu (Gujral Committee) and many others. He has been a writer and commentator on National and International Affairs as well as Theatre. He had a good knowledge of Urdu language and was fond of poetry. His book 'A Foreign Policy for India' published in 1998 showcased his aspirations about the foreign policy that he envisioned for India. He authored the book 'Matters of Discretion: An Autobiography' which was published in the year 2011.

I. K. Gujral left for his heavenly abode on 30 November 2012 at the age of 93 years.

Department of Post is pleased to issue a commemorative Postage Stamp on I. K. Gujral.

Credits:

Stamp/ FDC/ Brochure/ : Ms. Bharti Mirchandani
Cancellation cachet : Smt. Alka Sharma
Text : Sh. Pallab Bose

डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS

आई. के. गुजराल
I. K. GUJRAL

विवरणिका
BROCHURE

आई. के. गुजराल

इन्द्र कुमार गुजराल भारत के 12वें प्रधान मंत्री थे जिन्होंने वर्ष 1997–1998 की अवधि के दौरान राष्ट्र का नेतृत्व किया। उनका जन्म ब्रिटिश इंडिया के अविभाजित पंजाब सूबे के झेलम में 04 दिसंबर, 1919 को हुआ था। वह बहुत पढ़े–लिखे थे। उन्होंने एम.ए., बी.कॉम, पीएच.डी. और डी.लिट. (मानद उपाधि) की उपाधियां अर्जित की थीं।

आई. के. गुजराल का संबंध स्वतंत्रता सेनानियों के परिवार से है। उनके माता–पिता, अवतार नारायण गुजराल और पुष्पा गुजराल ने पंजाब में रहते हुए देश के स्वतंत्रता संग्राम में बढ़–चढ़कर भाग लिया। ग्यारह वर्ष की आयु में गुजराल स्वयं भी राष्ट्रीय आन्दोलन में कूद पड़े। वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान उन्हें कारागार में डाला गया।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद आई. के. गुजराल का राजनैतिक जीवन, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में बड़े ही साधारण रूप से वर्ष 1958 में शुरू हुआ। बाद में उन्होंने वर्ष 1964 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो कर राजनीति की मुख्यधारा में प्रवेश किया। वर्ष 1967–1976 की अवधि के दौरान उन्होंने संचार, संसदीय कार्य, सूचना और प्रसारण, निर्माण कार्य और आवास तथा योजना जैसे विभिन्न मंत्रालयों में मंत्री के रूप में कार्य किया। वर्ष 1976 से 1980 तक वे संघ के कैबिनेट मंत्री के रैंक में यू.एस.एस.आर. में भारत के राजदूत थे।

वर्ष 1980 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस छोड़ दी और जनता दल में शामिल हो गए तथा वर्ष 1989–1990 के दौरान केंद्रीय विदेश मंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने वर्ष 1996 में विदेश मंत्रालय और जल संसाधन मंत्रालय में भी मंत्री के रूप में कार्य किया।

वर्ष 1997 में, संयुक्त मोर्चा की सरकार के शासन के दौरान प्रधानमंत्री पद के लिए वे सर्वसम्मत उम्मीदवार के रूप में उभर कर सामने आए। संयुक्त मोर्चा की सरकार के शासन के दौरान विदेश मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने भारत के निकट पड़ोसियों के साथ भारत के विदेश संबंधों के मामले में पांच मार्गदर्शक सिद्धांतों के एक सेट का निर्माण किया जिन्हें बाद में गुजराल सिद्धांत के रूप में जाना गया। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान इन सिद्धांतों को और परिष्कृत किया गया।

विभिन्न शासकीय पदों की जिम्मेदारियां पूरी करने के साथ–साथ, उन्होंने भारतीय दक्षिण एशियाई सहयोग परिषद के अध्यक्ष; रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए) के अध्यक्ष; राजकीय उर्दू संवर्धन समिति (गुजराल समिति) के अध्यक्ष आदि जैसे तथा अनेक अन्य महत्वपूर्ण दायित्वों को भी पूरा किया। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मामलों के साथ–साथ रंगमंच से संबंधित विषयों के लेखक व टिप्पणीकार थे। वे उर्दू भाषा के अच्छे जानकार थे तथा शायरी के शौकीन थे। वर्ष 1998 में उनकी पुस्तक 'ए फॉरेन पालिसी फॉर इंडिया' प्रकाशित हुई जिसमें भारत को लेकर विदेश नीति के संबंध में उनकी आकांक्षाओं को अभिव्यक्ति प्रदान की गई। उन्होंने 'मैटर्स ऑफ डिस्क्रीशनः ऐन ऑटोबॉयग्राफी' पुस्तक की रचना की जो वर्ष 2011 में प्रकाशित हुई।

93 वर्ष की आयु में 30 नवम्बर, 2012 को श्री आई. के. गुजराल स्वर्ग सिधार गए।

डाक विभाग आई. के. गुजराल पर एक स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:

डाक–टिकट / प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका : श्रीमती भारती मीरचंदानी
विरूपण कैशे : श्रीमती अलका शर्मा
पाठ : श्री पल्लब बोस

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	300000
Stamps Printed	:	300000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00